Need to expedite the laying of new Railway Track between Vikarabad to Krishna in Andhra Pradesh

श्री मोहम्मद खलीलुर रहमान (आन्ध्र प्रदेश) : जनाब, आज से 10 साल पहले गवर्नमेंट आफ इंडिया का प्रपोजल था कि आन्ध्र प्रदेश में विकराबाद से जो एक जंक्शन है, वहां से कृष्ण तक इन दोनों के दरमियान एक नई रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। इन दोनों को एक दूसरे से जोड़ने के लिए रेलवे मिनिस्ट्री और रेलवे बोर्ड की तरफ से एक सर्वे भी किया गया था और यह तवक्कू की जा रही थी कि बहुत जल्दी ही यह रेलव लाइने बिछाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। मगर 10 साल बीत जाने के बाद भी यह रेलवे लाइन नहीं बिछाई गई है। इस बारे में रेलवे बोर्ड को लेटर भी लिखे गये हैं। इसके बावजूद भी अभी तक इस तरफ ध्यान नहीं दिया गया है। यह रेलवे लाइन बिलकुल रूरल पोपूलेशन से होकर जाती है। यहां के लोग बड़े बेचैन हैं। खास तौर पर वहां का तिजारत ठप्प पड़ा हुआ है। किसानों के माल की निकासी नहीं हो पाती है। उनको काफी मुश्किल का सामना करना पड़ता हैं। इस लिहाज से इस स्पेशल मेंशन के जरिये रेलवे मिनिस्टर साहब से तवक्को करता हूं और दर्खास्त करता हूं कि जल्दी से जल्दी जो सर्वे किया गया है वह रेलवे लाइन बिछाई जाय और बखेराबाद से कृष्णा तक इनको आपस में मिलाया जाये ताकि यह जो एक करोड़ की रूरल आबादी है उनको रेल लाइन मिले और उनकी आमदोरफ्त बढ़े, उनके माल की निकासी हो सके और उनको सहूलियत मिल सके।

†[] Transliteration in Arabic Script.

†[شری محمد افضل عرف م۔ افضل:
میڈم میں آپکو بتا دینا چاہتا ہوں کہ ہاؤس کمیٹی کے کسی ممبر کو نہیں بتایا جاتا ... (مداخلت) میں ایسی ہاؤس کمیٹی میں نہیں رہنا چاہتا جسکے اندر ہاؤس کمیٹی کے تو کئی ممبر ہیں اور انکو ایسی جانکاری نہیں ہے - ایسی ہاؤس کمیٹی میں رہنا میں اپنے لئے شرم کا باعث سمجھتا ہوں - اسلئے میرا استعفی منظور کیا جائے - ہاؤس کمیٹی سے - میں ایسی ہاؤس کمیٹی میں نہیں رہونگا - جسکے چیرمین کو یہ تک تمیز نہ ہو کہ نوٹس کیسے بھیجے جاتے ہیں - ... (داخلت) ....]

Deaths in Amreli District of Gujarat due to High Fluoride levels in underground drinking water.

चौधरी हरि सिंह (उत्तर प्रदेश) : मान्यवर, गुजरात राज्य का जो अमरेली जिला हैं उसके 37 गांव ऐसे हैं जिनकी आबादी एक लाख से ऊपर पड़ती है, उसमें पिछले पचास सालों से पीने के पानी में बहुत ज्यादा तादाद में फ्लोराइड हो गया है। जिसकी वजह से फेमिली की फेमिली वाइप-आउट हो गयी है, वैनिश हो गयी हैं, खत्म हो गयी हैं। साथ ही साथ वहां पर जो 10–10 वर्ष के बच्चे हैं वे भी हाथ में लकड़ी लेकर चलते हैं और सुबह उठने के लिये अपनी छतों में

[चौधरी हरि सिंह]

रस्सियां बांध देते हैं जिससे कि उसको पकड़ कर वे उठ सकें । यह सारी की सारी आबादी जो है वह वैनिश होने जा रही है । लेकिन इन 50 साल के दौरान में इस फ्लोराइड का कोई इंतजाम नहीं किया गया है । वहां पर लोग मरते चले जा रहे हैं लेकिन उनको कोई इलाज नहीं हो रहा हैं । गुजरात सरकार ने इस तरफ कोई तवज्जह नहीं दी है ।

इसलिये मान्यवर, मैं आपके माध्यम से केंद्रीय सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं और कहना चाहता हूं कि हाई फ्लोराइट की वजह से जो वहां पर तबाही हो रही है, उसके लिये केंद्रीय सरकार माकूल इंतजाम करे। वहां सेंटर से एक टीम जाय और वह इसको देखे । वहां जो ये 37 गांव हैं और आसपास की दूसरी आबादी है, जो लोग वहां से दूसरी जगह जाते हैं उनमें से कई बीच में ही मर जाते हैं । इसलिये जो यह हाई फ्लोराइट पानी में वहां है सरकार इसके लिये समुचित व्यवस्था करे और वहां के लोगों को बसाने का इंतजाम करे । यहां, सेंटर से एक हेल्थ टीम वहां जाय जो इस पर अपने सुझाव दे यह मेरी केन्द्र सरकार से मांग हैं ।

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): Shri Sunil Basu Ray. Strictly two minutes; otherwise, Mr. Sen will lose his chance.

Strike by coal workers in collieries at Singareni in Andhra Pradesh

SHRI SUNIL BASU RAY (West Bengal): Sir, through this Special Mention I want to bring to the immediate a attention of the Government the fact that 40,000 coal workers went on strike in Singareni collieries from Tuesday, the 21st April, 1992 following firing by the Central Industrial Security Force at RK 7 Mines in Srirarrnpur area of Singareni collieries- This strike was caused because the workers went to draw their monthly quota of coal which is a valid legal right of theirs for decades. The CISF had objected and later they started firing. This is causing stran in. the industrial relations. The production loss also is about 20,000 tonnes per day. So I draw the attention of the Government—the Labour Minister is also here—and I also draw the attention of the Coal Minister.. . *(Interruption).* . ,

THE VICE-CHARMAN (PROF. CHANDRESH P. THAKUR): Mr. Labour Minister, he is drawing your attention to this important issue.

SHRI SUNIL BASU RAY: This is a simple aspect because of which 8 workers were injured, two of them seriously. All the workers are united. I also demand of the Government that medical attention and compensation should be paid to the injured workers. That is all, Sir, Thank you.

Strike by Employees of Banks, LIC, GIC and other Financial Institutions

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal): Sir, today, the 30th April, 1992 ten lakh employees and officers of banks, LIC, GIC and other financial institutions are on strike. They are demanding pension as the third retirement benefit. On October 4, 1991 the Finance Minister received a delegation of the Coordinating Body of these Unions which submitted a memorandum to him giving various floposals for a viable pension scheme without affecting the Provident Fund. He promised to study them and have further discissions with the Coordinating Body, but he hdd not kept his word despite several reminders.

The managements of banks, LIC etc. are asking for the surrender of the benefit of the contributory P. F. and offering, pension in lieu of that. Such scheme in the Reserve Bank has been rejected by 80 per cent staff, ir.^frsding officers. On the other side, the Government is trying to confuse the people by dishing out exaggerated figures about, the expenditure to be incur-. red for the benefit of the employees.

I would request the Government to stop this vitriolic propaganda against the struggling employees and the Finance